Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 23-03-2005

Participants : Mehta Shri Bhubneshwar Prasad

Title: Need to ensure supply of coal to various industries in Jharkhand from C.C.L. , B.C.C.L. & E.C.L. which are based within the state.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता (हज़ारीबाग) : अध्यक्ष महोदय, कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया में व्याप्त भ्रटाचार के चलते कोयले की आपूर्ति और कोयले के वितरण में भयंकर अनियमितता हो रही है। झारखण्ड में, जहां कोयले का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है, पूरे देश का 37 परसेंट कोयले का उत्पादन झारखण्ड में होता है, आज झारखण्ड में कोयले की सप्लाई नहीं होने के चलते लगभग 500 कल-कारखाने बन्द हैं। अकेले हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र में, जो मेरी कांस्टीट्वेंसी है, उसमें 100 से ज्यादा हार्ड कोक और दूसरे कोयले पर आधारित कारखाने बन्द हैं। झारखण्ड से कोयला दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा है। 20 लाख टन कोयला उत्तर प्रदेश में प्रगतिशील सहकारी समिति को दिया गया, दो लाख टन कोयला डबल शेयर में महानदी कोलफील्ड से दिया गया...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is a national asset and it should be available everywhere.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता : दो लाख टन कोयला वैस्टर्न कोलफील्ड से दिया गया। झारखण्ड का कोयला दूसरे राज्यों में जा रहा है, झारखण्ड के कल-कारखानों को नहीं दिया जा रहा है। हजारीबाग में सैंकड़ों कल-कारखाने आज बन्द हैं और 25 हजार मजदूर आज वहां बेकार हो गये हैं। इसलिए आपके माध्यम से हम कोयला मंत्री जी से कहना चाहते हैं कि इस पर कार्रवाई करें, कोयले पर ऐसी मानसिकता ठीक नहीं है। जब एन.डी.ए. की सरकार थी तो 11 कोयला मंत्री बदले गये और यू.पी.ए. की सरकार बनी तो आया राम, गया राम बना हुआ है।

MR. SPEAKER: It is not necessary. I do not agree with you.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता : कोल इंडिया में डेढ़ साल से आज तक कोई चेयरमैन नहीं है, पता नहीं यह मंत्रालय कैसे चलेगा। इसलिए हम चाहते हैं कि सबसे पहले कोयला झारखण्ड के कल-कारखानों को दिया जाये ताकि वहां के मजदूर बेकार नहीं हों।